तोप

वीरेन डंगवाल

प्रदत्त कार्य-1 : कार्यप्रपत्र 'ऐतिहासिक इमारतों संबंधी'

उद्देश्य :

- भारतीय विरासत की जानकारी।
- ज्ञान का विस्तार।
- स्मरण शक्ति का विस्तार।
- सामान्य ज्ञान में वृद्धि।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. सर्वप्रथम शिक्षक भारत में विभिन्न स्थलों पर हुए स्वतंत्रता संग्रामों व इतिहास पर चर्चा करेंगे।
3. कविता पढ़ाने के बाद ही यह कार्य प्रपत्र दिया जाएगा।
4. कार्य करने से पूर्व मूल्यांकन का आधार विद्यार्थियों को स्पष्ट कर दिया जाए।

कार्य प्रपत्र

	ऐतिहासिक इमारत	क्षेत्र
1.	लालकिला	....
2.	गेटवे ऑफ इंडिया	....
3.	चारमीनार	....
4.	इंडिया गेट	....
5.	ताजमहल	....
6.	हवा महल	....
7.	विक्टोरिया पैलेस	....

8.	चित्तौड़ का किला	....
9.	आमेर का किला	....
10.	महाराजा पैलेस	....

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- सही उत्तर

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- शिक्षक ध्यान रखें कि सभी विद्यार्थी सक्रिय रूप से कार्य करें।
- सर्वप्रथम सही कार्य के लिए सराहना की जाएगी।
- सही उत्तरों को श्यामपट्ट पर लिखा जाए।

प्रदत्त कार्य-2 : कोलॉज बनाना।

विषय : ऐतिहासिक इमारतें

उद्देश्य :

- देशभक्ति की भावना का विकास।
- ज्ञान में अभिवृद्धि।
- लेखन एवं वाचन कौशल का विकास।
- आत्मविश्वास में अभिवृद्धि।
- मंच भय से मुक्ति।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. सामूहिक कार्य।
2. अध्यापक गतिविधियों के बारे में समझाएंगे।

3. गतिविधियों के लिए कक्षा को समूह में बाँटेंगे।

4. सभी विद्यार्थियों को गतिविधि के लिए आवश्यक सामान लेकर आने के लिए कहा जाएगा।

5. कार्य करने के लिए 20 मिनट का समय दिया जाएगा।

6. मूल्यांकन के आधार बिंदु कार्य से पूर्व ही विद्यार्थियों को बता दिए जाएं।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- विद्यार्थियों द्वारा किए गए कार्य के आधार पर

टिप्पणी :

- अध्यापक मूल्यांकन के आधार स्वयं तय कर विद्यार्थियों को बताएं।
- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- श्रेष्ठ कोलॉज की सराहना की जाए।
- औसत/कमजोर कोलॉज को प्रोत्साहित किया जाए।
- श्रेष्ठ कोलॉज को विद्यालय के प्रदर्शन पट्ट पर लगाएं।

प्रदत्त कार्य-3 : क्रांतिकारियों के जीवन पर आधारित परियोजना कार्य।

विषय : भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद, लाला लाजपत राय में से किसी एक पर।

उद्देश्य :

- देशभक्ति की भावना का विकास।
- क्रांतिकारियों के त्याग को समझेंगे।
- ज्ञान का विस्तार।
- प्रस्तुतीकरण शैली का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. सामूहिक कार्य।

2. 'तोप' कविता पढ़ाने के पश्चात् शिक्षक स्वतंत्रता संग्राम पर चर्चा करेंगे।

3. पूरी कक्षा को विभिन्न समूहों में बांटा जाए।
4. प्रत्येक समूह में चार-पांच विद्यार्थी हो सकते हैं।
5. क्रांतिकारियों में से हर वर्ग को एक-एक क्रांतिकारी देकर उस पर परियोजना कार्य दिया जाए।
6. क्रांतिकारियों के जीवन को तीन-चार भागों में बाँटकर चित्र सहित जानकारी को प्रस्तुत करना।
7. इस कार्य को पूरा करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया जाए।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- विषय वस्तु
- भाषा
- प्रस्तुति की शैली

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- शिक्षक सभी के प्रयासों को सराहें।
- सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतियों की विशेष सराहना।
- अपूर्ण व कम अच्छे स्तर के कार्य को सहयोग व प्रोत्साहन।
- सभी के कार्यों की कक्षा में प्रदर्शनी लगवाई जाए।

प्रदत्त कार्य-4 : संस्मरण लेखन/वाचन।

विषय : किसी ऐतिहासिक स्थल/इमारत के बारे में लिखकर बताएं जिसे आपने देखा हो।

उद्देश्य :

- संस्मरण लेखन/वाचन का अभ्यास।
- ऐतिहासिक स्थल/इमारतों की ओर ध्यान आकर्षित करना।
- स्थान विशेष के संबंध में जानकारी।
- लेखन/वाचन कौशल का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. सर्वप्रथम शिक्षक किसी ऐसे ऐतिहासिक स्थल/इमारत के विषय में संक्षेप में बताएं जिसे उन्होंने स्वयं देखा है।
3. कार्य व मूल्यांकन की सम्पूर्ण जानकारी पहले ही दे दी जाए।
4. पाठ को समझा लेने के पश्चात् यह कार्य कराया जाए।
5. लिखित या मौखिक दोनों रूपों में कार्य कराया जा सकता है। मुख्य बिंदु लिखकर विद्यार्थी कक्षा में अपने विचार प्रस्तुत कर सकता है।
6. इस कार्य के लिए 10-15 मिनट का समय अवश्य दिया जाए।
7. इस दौरान शिक्षक आवश्यकता अनुसार विद्यार्थियों की सहायता करें।
8. प्रत्येक छात्र अपना संस्मरण प्रस्तुत करेगा।
9. विद्यार्थी व शिक्षक दोनों मूल्यांकन करेंगे।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- क्रमबद्ध एवं प्रभावशाली अभिव्यक्ति
- विषयवस्तु
- भाषा, वर्तनी, उच्चारण

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- सर्वाधिक सटीक जानकारी देने वाले व प्रभावशाली अभिव्यक्ति करने वाले विद्यार्थियों की सराहना।
- औसत कार्य को प्रोत्साहन देकर अच्छा कार्य करने के लिए अभिप्रेरित करें।
- जो कार्य पूरा नहीं कर पाए उन्हें अतिरिक्त समय दिया जाए।

प्रदत्त कार्य-5 : नुक्कड़ नाटक का लेखन एवं प्रस्तुति।

विषय : 'ऐतिहासिक इमारतों की सुरक्षा जरूरी'

उद्देश्य :

- भारतीय ऐतिहासिक इमारतों का परिचय।
- ऐतिहासिक इमारतों के प्रति संवेदनशीलता।
- संवाद शैली का विकास।
- नुक्कड़ नाटक की विधा का परिचय।
- कलात्मक अभिरूचि का विकास।

निर्धारित समय : दो कालांश

प्रक्रिया :

1. सामूहिक कार्य।
2. सर्वप्रथम शिक्षक द्वारा कविता का पाठन करवाने के पश्चात् विद्यार्थियों से विभिन्न ऐतिहासिक इमारतों व उनकी वर्तमान स्थिति के बारे में बात की जाएगी।
3. शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरित किया जाए कि ऐतिहासिक इमारतों का संरक्षण आवश्यक है। इसी दिशा में लोगों में चेतना लाने हेतु पूरी कक्षा को विभिन्न समूहों में बाँटा जाए।
4. प्रत्येक समूह में छः-सात विद्यार्थी हो सकते है।
5. प्रत्येक समूह को "ऐतिहासिक इमारतों की सुरक्षा जरूरी" शीर्षक के अन्तर्गत एक नुक्कड़ नाटक लिखने व प्रस्तुत करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया जाए।
6. विद्यार्थियों को मूल्यांकन का आधार पहले से ही स्पष्ट कर दिया जए।
7. सप्ताह के दौरान शिक्षक विद्यार्थियों से उनकी कार्य संबंधी प्रगति के विषय में बातचीत करते रहेंगे व यथासंभव सहायता भी करेंगे।
8. प्रत्येक प्रस्तुति को 5-6 मिनट का समय दिया जाए।
9. जब एक समूह प्रस्तुति करेगा तब अन्य विद्यार्थी व शिक्षक उसका मूल्यांकन कर सकते हैं।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- विषय वस्तु

- संवाद शैली
- अभिनय क्षमता
- शब्द चयन व वाक्य प्रयोग
- प्रस्तुतीकरण

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- सभी प्रस्तुतियों की सराहना।
- सर्वश्रेष्ठ अभिनय व प्रस्तुति की विशेष सराहना।
- सामान्य वाक्य रचना, संवाद लेखन व नुक्कड़ नाटक प्रस्तुति संबंधी कमियों से विद्यार्थियों को परिचित करवाना।
- सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति को विद्यालय के मंच पर अभिनीत करवाया जाए।